2010-11

IIM RANCHI
बहुमुखविकासो गन्तव्यः

वार्षिक प्रतिवेदन

INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT RANCHI
SUCHANA BHAWAN, AUDREY HOUSE CAMPUS, MEUR'S ROAD,
RANCHI 834 008, JHARKHAND
Ph: 0651-2280083, 2280113, 2285056 | Fax: 0651-2280940
e-mail: director@iimranchi.ac.in | Web: www.iimranchi.ac.in

विषय सूची

अध्यक्ष का संदेश — 62

निदेशक का संदेश — 63

1. परिचय — 64
2. आई. आई. एम. का उद्घाटन — 67
3. निदेशक परिचय — 69
4. विज़न (दृष्टि) उद्देश्य एवं मूल्य मान्यताएं — 70
5. केंद्र — 72
   - क. व्यवसाय (बिजनेस) वैश्लेषिक केंद्र
   - ख. खनन एवं विनिर्माण केंद्र
   - ग. भारतीय प्रबंध पर अनुसंधान केंद्र
   - घ. समावेशी विकास केंद्र
   - ङ. तंत्रिका प्रबंध केंद्र
   - च. इ-गवर्नेंस केंद्र
   - छ. अन्य केंद्र
6. फैकेल्टी — 78
7. स्नातकोत्तर प्रबंध 2010-12 सत्र — 80
   - नामांकन विवरण
   - बैच की मुख्य बातें
   - शुल्क विवरण
   - पाठ्यक्रम
   - ग्रीष्मकालीन नौकरियां (इंटर्नशिप)
   - छात्र समितियां एवं क्लब
8. बुनियादी ढांचा एवं सुविधाएं — 89
   - कक्षा
   - पुस्तकालय
   - सूचना तकनीक
   - छात्रावास
   - खेल
9. निर्माण-ढांचा — 92
10. संगठन - संचालक मंडल — 96
11. वार्षिक लेखाकंन का लेखा-जोखा — 99
12. रांची के विषय में — 116

अध्यक्ष का संदेश

भारतीय अर्थव्यवस्था वैश्विक मंदी को पीछे छोड़कर पुनः 9 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर प्राप्त करने की ओर अग्रसर है। विनिर्माण की नयी क्षमताओं की रचना की जा रही है और विदेशी निवेशकों की नजर में इस देश में व्यवसाय के आकर्षक अवसर उपलब्ध हैं।

रोजगार की संभावना बढ़ रही है, विशेषकर उन व्यक्तियों के लिए जिनके पास अच्छी शिक्षा और निपुणता है। प्रबंध संस्थानों से उत्तीर्ण छात्रों की मांग हमेशा से ही ज्यादा रही है और मुझे उम्मीद है आने वाले कई वर्षों तक यह स्थिति बनी रहेगी।

आई.आई.एम रांची एक नयी संस्था है जिसमें PGP कक्षाओं की शुरूआत 2010 से हुई। संचालक मंडल (बोर्ड ऑफ गवर्नेस) इस बात के लिए दृढ़संकल्प है कि यह एक उत्कृष्ट संस्था के रूप में विकसित हो सके, जहां शिक्षा की गुणवत्ता तथा कैम्पस अनुभव भारत में सर्वश्रेष्ठ प्रबंध विद्यालयों के समकक्ष हों। नए होने की वजह से हमें यह अवसर मिला है कि हम दूसरे आई.आई.एम. के अनुभवों से सीख लें और उन बदलावों को ला सकें जिससे हमें अपने लक्ष्य की ओर अधिक तेजी से बढ़ने में सहायता मिलेगी। आई.आई.एम. कोलकाता और एक्स.एल.आर.आई. जमशेदपुर के प्राध्यापक (faculty) हमारी सारी शैक्षणिक प्रणाली के विकास में मदद कर रहे हैं, और बहुत सारे पाठ्यक्रमों में शिक्षण का कार्य भी कर रहे हैं। मुझे ऐसा लगता है कि इससे अधिक अच्छी शुरूआत नहीं हो सकती थी।

हमें कोष के लिए धन संग्रह करने के अवसरों की तलाश भी है, जिसका उपयोग शैक्षणिक उत्कृष्टता का लक्ष्य प्राप्त करने के लिए किया जाएगा। हमने कुछ अनुभवी और प्रतिष्ठित प्राध्यापक (faculty) को आई.आई.एम.आर. की ओर आकर्षित करना शुरू कर दिया है, ताकि वे आई.आई.एम.सी. के प्राध्यापक से कार्यभार ग्रहण कर सकें और शिक्षण कार्य की गुणवत्ता तथा हमारी प्रणाली को मजबूती प्रदान करते रहें।

संचालक मंडल तथा मुझे इसकी आशा है कि भारत तथा विदेशों के उद्योग तथा व्यावसायिक संगठनों द्वारा हमें उनके लिए युवा, होनहार तथा प्रेरित प्रबंधकों को तैयार करने के हमारे प्रयास में उनका समर्थन मिलता रहेगा।

शुभकामनाएं

आर.सी.भार्गव

निदेशक का संदेश

भारतीय प्रबंध संस्थान रांची की प्रथम वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए मुझे काफी संतोष का अनुभव हो रहा है। किसी भी नये प्रयास के लिए समर्थकों और शुभचिंतकों के समर्थन की आवश्यकता होती है। मैं मुख्यमंत्री श्री अर्जुन मुंडा, मुख्य सचिव श्री एस.के. चौधरी, मानव संसाधन विभाग की तत्कालीन प्रधान सचिव, मृदुला सिन्हा और राज्य सरकार के अनेक अधिकारियों द्वारा सतत् सहायता दिए जाने का हृदय से धन्यवाद देता हूं। अस्थायी कैम्पस् के लिए उन्होंने हमें सर्वश्रेष्ठ भवन तथा सहायक सुविधाएं उपलब्ध करायीं। स्थायी कैम्पस के लिए चिन्हित भूमि का चयन अनेक उत्कृष्ट संस्थानों वाले संस्था क्षेत्र के निर्माण के विचार को ध्यान में रखकर किया गया है।

मानव संसाधन विकास विभाग, भारत सरकार के विशेष सचिव, श्री अशोक ठाकुर, भारतीय प्रबंध संस्थान के तीव्र समर्थक रहे हैं। संकट के समय में उनके अपार सहयोग का आभारी हूँ।

हमारे संचालक मंडल में प्रशासन, शैक्षणिक तथा उद्योग जगत से प्रतिष्ठित व्यक्ति शामिल हैं, जिसके अध्यक्ष श्री आर.सी. भार्गव हैं, ये सभी आई.आई.एम. रांची के लिए बल का महान स्रोत हैं। हमारे अध्यक्ष का उद्योग, सरकार तथा शैक्षणिक क्षेत्र में लम्बा अनुभव है।

हमारे परामर्शदाता निदेशक आई.आई.एम. कोलकाता के प्रो0 शेखर चौधरी को आई.आई.एम. रांची को उत्कृष्ट शुरूआत देने के लिए हमेशा याद रखा जाएगा। आई.आई.एम. रांची के लिए सम्पूर्ण पाठ्यक्रम प्रो. चौधरी एवम् उनके कार्य बल द्वारा विशेष रूप से तैयार किया गया। उन्होंने आई.आई.एम. रांची के प्रथम सत्र के छात्रों का चयन किया। उन्होंने प्रथम वर्ष के दौरान सभी पाठ्यक्रमों में शिक्षण कार्य के लिए प्राध्यापको की सहायता प्रदान की। हमारे छात्रों के लिए ग्रीष्मकालीन नौकरियां ढूंढने में उनकी नियोजन टीम ने हमारी सहायता की। नवम्बर 2010 में मेरे द्वारा निदेशक, आई.आई.एम. रांची का पदभार ग्रहण किए जाने के बाद भी आई.आई.एम. कोलकाता की सहायता में कोई कमी नहीं आयी।

आई.आई.एम. रांची को विशिष्ट पहचान देने के लिए झारखंड में और इसके आस-पास उपलब्ध सहायक सुविधाओं का ध्यान रखते हुए एक विस्तृत भविष्य के लिए योजना दस्तावेज (विजन डॉक्यूमेंट) तैयार किया गया। चूंकि पश्चिम स्वयं ही प्रबंधन शिक्षा के लिए वैकल्पिक प्रतिमान की तलाश में है हमने अपना लक्ष्य ''पूर्वी प्रज्ञा का पश्चिमी प्रणाली तथा प्रतिमान (मॉडल) के साथ विद्वतापूर्ण मिश्रण'' रखा है। हमने भारतीय प्रबंधन में एक अनुसंधान केन्द्र की स्थापना भी की है। इसके अलावा हमने आई.आई.एम. रांची में, पश्चिमी अनुसंधान के विषय से व्यावसायिक विश्लेषणात्मक और तंत्रिका प्रबंध को आगे के अनुसंधान के लिए चिन्हित किया है। तंत्रिका अनुसंधान के लिए हमारा समझौता केंद्रीय मनोरोग विज्ञान संस्थान रांची से हुआ है।

हम ऐसी संस्था के निर्माण के लिए जो पूरे विश्व में सम्मान पा सके अपने सभी शुभचिंतकों का आशीर्वाद चाहते हैं।

एम जे जेवियर

परिचय

15 दिसम्बर, 2009 को भारतीय सोसाईटी (समिति) अधिनियम 21, 1860 के तहत भारतीय प्रबंध संस्थान के रूप में आई.आई.एम. रांची का निबंधन किया गया।

नए आई.आई.एम. के संस्थापन में सहयोग पहुंचाने तथा निगरानी रखने के लिए आई.आई.एम.सी. को मंत्रालय के पत्रांक 109/2009 दिनांक 1 दिसम्बर 2009 द्वारा आई.आई.एम.आर. पर निगरानी का कार्य सौंपा गया।

11 दिसम्बर 2009 को हुई झारखंड सरकार के मंत्री मण्डल की बैठक में कार्यालय तथा छात्रावास के लिए सूचना भवन के दो मंजिलों को देने का निर्णय लिया गया। छात्रावास के उद्देश्य से प्रशासनिक प्रशिक्षण संस्थान के 30 कमरे को देने का निर्णय लिया गया।

4 जनवरी 2010 को श्री आर.सी.भार्गव अध्यक्ष मारूति उद्योग लिमिटेड, भारतीय प्रबंध संस्थान रांची के संचालक मंडल की समिति के अध्यक्ष के रूप में मनोनीत किए गए।

भारत सरकार, मानव संसाधन विभाग मंत्रालय के अधिकारियों तथा आई.आई.एम. कोलकाता के बीच पहली त्रिपक्षीय मीटिंग आई.आई.एम.सी. के कैम्पस में 12 जनवरी 2010 को हुई जहां कार्यबल के सदस्यों ने निर्णय लिया कि आई.आई.एम. रांची के शैक्षणिक क्रियाकलाप (PGP - द्विवर्षीय योजना) शुरू किए जाएं और कक्षाएं शुरू करने के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचे को मूर्त्त रूप दिया जाए।

इसके बाद 7 फरवरी 2010 को रांची में एक प्रेस वार्त्ता हुई जिसकी अध्यक्षता सचिव मानव संसाधन विभाग, भारत सरकार ने की।

निदेशक द्वारा पदभार ग्रहण करना - प्रो. एम.जे. जेवियर ने 8 नवम्बर 2010 को आई.आई.एम. रांची में निदेशक का पदभार ग्रहण किया।

पिकनिक

लगाव तथा मैत्री की भावना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आई.आई.एम. रांची की पहली स्टाफ पिकनिक का आयोजन 26 नवम्बर 2010 को किया गया, स्टाफ के सभी सदस्य नेतरहाट गए वहां एक रात रूकने के बाद अगले दिन नये जोश और ऊर्जा भरकर वापस आए।

स्वीकृत पद– प्रभाग (संकाय) एवं कर्मचारी

संकाय (फैकल्टी)

मंत्रालय मानव संसाधन विभाग, भारत सरकार ने संकाय के ग्यारह पदों की स्वीकृति दी है

क्रम संख्या	पद / पद नाम	पदों की संख्या
1.	एसोसिएट प्रोफेसर (वरीय प्राध्यापक)	3
2.	असिस्टेंट प्रोफेसर (सहायक प्राध्यापक)	8
	कुल	**11**

कर्मचारी

मंत्रालय मानव संसाधन विभाग, भारत सरकार ने निदेशक के पद के अतिरिक्त कुछ पंद्रह कर्मचारियों के पदों की स्वीकृति दी है-

क्रम संख्या	पदनाम	पद की संख्या
1.	निदेशक	1
2.	मुख्य प्रशासनिक अधिकारी	1
3.	लाइब्रेरियन (पुस्तकाध्यक्ष)	1
4.	वित्तीय सलाहकार एवम् प्रमुख लेखा अधिकारी	1
5.	प्रशासनिक अधिकारी(कार्यक्रम)	1
6.	भंडार एव क्रय अधिकारी	1
7.	सचिव, निदेशक	1
8.	वरिष्ठ पुस्तकालय एवं सूचना सहायक (प्रलेखन कार्य)	1
9.	लेखाकार	1
10.	कनीय अभियंता	1
11.	निजी सहायक	2
12.	सहायक	2
13.	चालक	1
14.	आदेशपाल (चपरासी)	1
	कुल	**16**

प्रशासनिक अधिकारी

झारखण्ड सरकार की ओर से श्री राजेश ई पतरो को ओ. एस. डी. के पद पर और श्री जी. गिलानी को ए. ओ. के पद पर नियुक्त किया गया है।

आई. आई. एम. राँची का उद्घाटन

देश के नवें भारतीय प्रबंध संस्थान का उद्घाटन राज्यपाल एम.ओ.एच. फारूख द्वारा मंगलवार 6 जुलाई 2010 को अनेक गणमान्य अतिथियों तथा प्रथम बैच के 44 विद्यार्थियों की उपस्थिति में किया गया। छात्रों को सम्बोधित करते हुए श्री फारूख ने उनको बधाई दी जो आई.आई.एम. रांची के द्विवर्षीय स्नातकोत्तर योजना में दाखिला लेने में सफल हुए। मुख्य अतिथि श्री फारूख के अलावे आई. आई.एम. रांची के संचालक मंडल के अध्यक्ष श्री आर.सी. भार्गव, मुख्य सचिव श्री ए.के.सिंह, आई.आईएम. कोलकाता के निदेशक प्रो. शेखर चौधरी, आई.आई.एम. कोलकाता के प्रोफेसर तथा आई.आई.एम. रांची के संयोजक प्रो. बी. बी. चक्रवर्ती तथा प्रशासन, उद्योग और शिक्षा जगत से कई अन्य अतिथि इस अवसर पर उपस्थित थे।

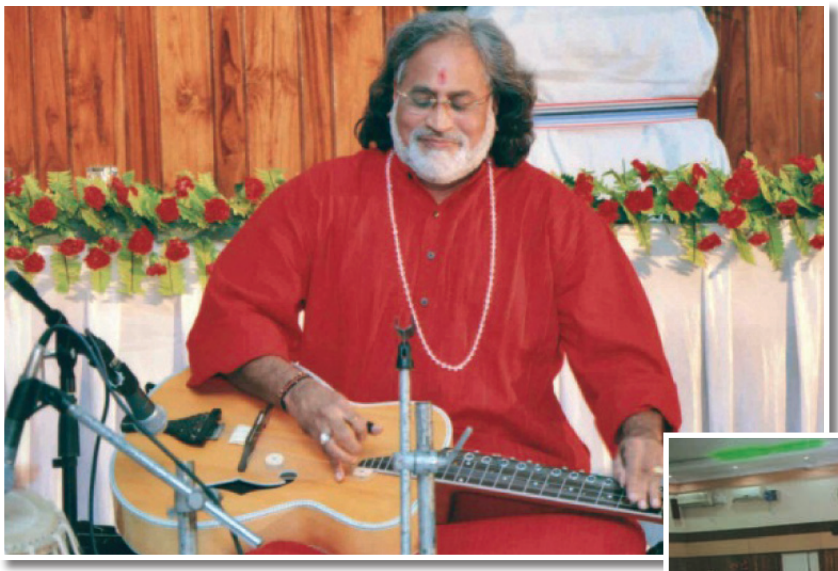

उद्घाटन समारोह में मुख्य सचिव श्री ए.के.सिंह ने कहा कि आई.आई.एम. रांची झारखंड के लिए एक उपलब्धि है। आई.आई.एम. रांची के संचालक मंडल के अध्यक्ष श्री आर.सी. भार्गव ने कहा कि उनकी संस्था प्रबंधकों की भारी कमी से निपटने में सहायक होगी।

आई.आई.एम. रांची ने, जिसके परामर्शदाता के रूप में आई.आई.एम. कोलकाता कार्य कर रहा है, सरकारी सूचना भवन के अस्थायी कैम्पस् में स्नातकोत्तर द्विवर्षीय कार्यक्रम की शुरूआत की और निकट स्थित श्रीकृष्ण लोक प्रशासन संस्थान में छात्रों को रहने की सुविधा दी गयी।

आई.आई.एम. कोलकाता प्रभाग के सदस्य और आई.आई.एम. रांची कार्यबल के संयोजक श्री बी.बी. चक्रवर्ती ने चुनौतियों के विषय में बोलते हुए कहा कि बुनियादी ढांचे के लिए कार्य की शुरूआत करना रांची के परामर्शदाता आई.आई.एम.सी. के लिए पहला बड़ा कार्य था।

आई.आई.एम. रांची की स्थापना इसकी मूल भावना अधिक से अधिक भलाई के लिए सम्मिलित विकास के लिए कार्य करते हुए श्रेष्ठता के लिए प्रयासरत रहकर उद्योग जगत में अच्छे प्रबंधकों की बढ़ती हुई मांग को पूरा करने के लिए हुई।

उद्घाटन समारोह में ग्रैमी पुरस्कार विजेता पद्मश्री विश्व मोहन भट्ट ने राग मधुवन्ती की मनमोहक और जादुई प्रस्तुति दी।

निदेशक का परिचय

प्रो. एम.जे. जेवियर ने 8 नवम्बर 2010 को IIM रांची के निदेशक का कार्यभार ग्रहण किया।

प्रो. एम जे जेवियर ने भारतीय प्रबंध संस्थान कलकत्ता से **1984 में प्रबंध में डॉक्टरेट** हासिल किया। वह मूलतः एक इंजीनियर हैं उन्होंने रीजनल इंजीनियरिंग कॉलेज वारंगल से 1979 में केमिकल प्लांट इंजीनियरिंग में **एम टेक** किया तथा 1976 में कोयंबटोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से केमिकल इंजीनियरिंग में बी. टेक किया।

उन्हें **शिक्षण अनुसंधान तथा सलाहकार** के क्षेत्र में 25 वर्षों का पेशावर अनुभव है। उन्होंने **मोड रिसर्च प्रा. लि. कलकत्ता में 1982-84** के दौरान अनुसंधान कार्यकारी अधिकारी के रूप में अपनी सेवा दी तथा **स्पिक लिमिटेड चेन्नई में 1985-91** के दौरान प्रबंध विकास एवं सेवाओं के प्रभारी प्रबंधक के पद पर कार्य किया। उन्होंने **1984-85 के दौरान एक्स एल आर आई जमशेदपुर** तथा **1991-96 के दौरान आई आई एम बैंगलोर** तथा **1998-2006 के दौरान आई एफ एम आर चेन्नई** में शिक्षण कार्य किया। वह वर्त्तमान में भारतीय प्रबंध संस्थान रांची के निदेशक हैं।

उनके रूचि के क्षेत्रों में **मार्केटिंग रिसर्च, डाटा माइनिंग ई-गवर्नेंस तथा आध्यात्मिकता** शामिल है। उन्होंने कार्यकारी अधिकारियों के लिए कई प्रशिक्षण कार्यक्रमों का संचालन किया तथा देश और विदेश की कई कम्पनियों के सलाहकार भी रहे।

इन्होंने तीन किताबें लिखी और देश तथा विदेश की पत्र-पत्रिकाओं में 100 से ज्यादा लेख प्रकाशित हुए हैं। इनके द्वारा लिखी किताब **''मार्केटिंग इन द न्यू मिलेनियम''** ने वर्ष 1999 में सर्वश्रेष्ठ प्रबंध पुस्तक के लिए **डी एम ए एस्कोर्ट अवार्ड** हासिल किया।

इन्होंने भारत तथा विदेशों के कई बिजनेस स्कूलों में **दौराशील संकाय (बिजिटिंग फैकल्टी)** के रूप में अपनी सेवा दी है **जिसमें यूनिवर्सिटी आफ बंकिघम, यू के (1993), द टेक्सास क्रिशचियन यूनिवर्सिटी, यू एस ए (1999), कैलिफोर्निया पोलीटेक्निक स्टेट यूनिवर्सिटी, यू एस ए (2003-05)** तथा **द अमेरिकन यूनिवर्सिटी आफ आर्मेनिया, आर्मेनिया (2006)** शामिल है।

विज़न (दृष्टि) उद्देश्य एवं मूल्य मान्यताएं

पूरे विश्व में प्रतियोगिता, आक्रमकता एवं किसी भी तरीके से परिणाम प्राप्त करने पर अधिक जोर देने की वजह से प्रबंध शिक्षा की आलोचना की जाती है। शिक्षा के अमेरिकी मॉडल की विभिन्न समूहों द्वारा आलोचना की जाती रही है। इसके अतिरिक्ति शैक्षणिक प्रौद्योगिकी ने प्रबंध के दुर्ग जिसमें आइवी लीग स्कूल भी शामिल हैं, के अलावे अन्य के लिए गुणवत्तायुक्त शिक्षा को सुलभ बनाकर इसके प्रभामंडल एवं अनन्यता को भी हटाया है।

पाठ्यक्रम में भारी बदलाव की जरूरत है क्योंकि जो पढ़ाया जाता है तथा जिसकी जरूरत है, के बीच कोई सम्बन्ध नहीं है। हम अभी भी औद्योगिक युग के मॉडलों को पढ़ा रहे हैं जो प्रतियोगितात्मक लाभ को प्रोत्साहित करती है। हमें पाठ्यक्रम में भारी बदलाव लाने की जरूरत है ताकि युवा मन में सही मूल्यों का समावेश हो सके और ऐसी शिक्षा दी जा सके जो सूचना युग के लिए प्रासंगिक हो तथा जो नेटवर्किंग तथा सहयोगात्मक लाभ को बढ़ावा देती हो। हमें एक समग्र दृष्टिकोण अपनाने की जरूरत है जिससे कॉरपोरेट के साथ - साथ समाज की भी जरूरतें पूरी हों। इसके साथ ही कार्यक्रम में सम्बधित ज्ञान की रचना की जानी चाहिए। उद्योग, शिक्षा जगत एवं सरकार के बीच सहयोग का स्तर भी बढ़ाना चाहिए। इसके अलावे हमें ज्ञान की सृष्टि के इस चक्र की ओर भी गंभीरता से देखना चाहिए जो अब प्रथम स्तरीय पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशन का रूप ले चुके हैं।

इसके अतिरिक्त बी-स्कूलों द्वारा नेताओं के निर्माण की बात बढ़ा-चढ़ा कर की जाती है हमें ऐसे सेवकों को उत्पन्न करने की आवश्यकता है जिनमें सही निपुणता मूल्य एवं दृष्टिकोण हो, जिससे की बिजनेस तथा समाज दोनों की ही सेवा हो। यह जरूर है कि सूचना युग के लिए मॉडलों के अंशशोधन किए जाने की जरूरत है जो सहयोग तथा नेटवर्किंग को बढ़ावा देते हैं।

हमारा पाठ्यक्रम ऐसे हो जो छात्रों को उभरते क्षेत्रों जैसे तंत्रिका प्रबंध, वैश्लेषिक एवं ऊर्जा प्रबंध में शिक्षा देकर उन्हें भविष्य के लिए तैयार करें। संक्षेप में-

- हम बिजनेस लीडर नहीं बल्कि सेवक उत्पन्न करते हैं।
- हम लक्ष्य उन्मुखीकरण नहीं बल्कि भूमिका उन्मुखीकरण एवं आत्मा उन्मुखीकरण पढ़ाते हैं।
- हम अनन्य नहीं बल्कि दूसरों को भी शामिल करना चाहते हैं।
- हम आक्रमकता नहीं बल्कि विनम्रता को बढ़ावा देते हैं।
- संक्षेप में हम एम बी ए नहीं बल्कि अन एम बी ए का निर्माण करते हैं।
- यह सारी चीजें हमारी दृष्टि (विजन) उद्देश्य एवं मूल्यों से आती हैं।

विजन (दृष्टि)

- वर्ष 2020 तक एशिया में प्रथम दस बी स्कूलों में शामिल होना उद्देश्य।

उद्देश्य

- ज्ञान की सृष्टि के लिए पश्चिमी प्रणालियों का पूर्वी प्रज्ञा के साथ विद्वतापूर्ण विलयन के द्वारा विवेकी नेतृत्व प्राप्त करना।
- व्यक्ति, संस्थान तथा समाज के सर्वांगीण विकास के लिए प्रयास करना
- पर्यावरण एवं समाज के साथ सद्भावपूर्ण सहजीविता के लिए प्रयास करना।

मूल्य

- व्यक्तिगत एवं कॉरपोरेट सफलता के लिए विनम्रता ईमानदारी एवं कड़ी मेहनत करना।

लोगों (मुद्रित प्रतीक, शब्दचिन्ह) का निर्माण एवं इसका विवरण

लोगो में दर्शाया गया पक्षी एक कौवा है, हमने गरूड़ नहीं चुना क्योंकि यह अंहकारी होता है मोर भी नहीं क्योंकि वह गर्व से भरा होता है न ही सीगल को क्योंकि यह विदेशी पक्षी है। हमने कौवे को चुना क्योंकि इसमें बहुत सी अच्छी बातें है जिनकी बुनियाद पर यह संस्थान खड़ा है। कौवा सामाजिक जीवन का एक दूसरे साथ बांटने, एक दूसरे की देखभाल करने का सार प्रस्तुत करता है जो IIM रांची की भी प्रकृति है। यह हवा में उड़ने वाला मुर्दाखोर है जो शवों को खा कर धरती की साफ सफाई करता है। कई संस्कृतियों में कौवों को ज्ञान का संरक्षक माना जाता है क्योंकि उनकी पैनी निगाहों से कुछ भी छिपा नहीं रहता। कौवे काफी अनुकूलनशील होते है और विभिन्न वातावरणों में रह सकते हैं।

पक्षी का चित्रण इस तरीके से किया गया है कि यह एक आगे बढ़ते हुए तीर की तरह दिखता है और सभी को (तीन हरी धारियां समुदाय का प्रतीक हैं) अपने साथ उड़ान पर ले चला है।

बहुमुखविकासो गन्तव्यः यह प्रतीक है संस्थान की उस दृष्टि का जहां बदलाव लाने एवं सफलता के लिए साथ मिलकर कार्य किया जाता है जो न सिर्फ अपने लिए हो बल्कि पूरे समुदाय के लिए भी हो।

केंद्र

व्यावसायिक वैश्लेषिक केंद्र

उद्योग जगत में कई संगठन बाहरी स्त्रोतों के साथ ही साथ अंदरूनी कार्य सम्पादन प्रणाली के द्वारा उत्पन्न आंकड़ों को अधिकाधिक इकट्ठा कर संग्रह कर रहे हैं। आजकल इन आंकड़ों के भंडारगृह में भारी मात्रा में संग्रहित आंकड़ों से काम की बात ढूंढ निकालने में निराशा हाथ आती है।

वित्तीय सेवाएं, वायु सेवा, खुदरा तथा दूरसंचार जैसे क्षेत्रों में आंकड़ों के प्रकार तथा मात्रा में बढ़ोत्तरी की वजह से भारत में वैश्लेषिक केंद्र की मांग बढ़ रही है।

संगठन वैश्लेषिक मॉडल के जरिए अपने आंकड़ों का अर्थ समझने के लिए सलाहकारों और नयी कम्पनियों का रूख कर रहे हैं। कई वैश्लेषिक कम्पनियां अस्तित्व में आ गयी हैं जो स्वयं को ज्ञान प्रक्रिया की आउटसोर्सिंग कम्पनी कहती हैं। सभी प्रमुख सूचना तकनीकी कम्पनियों ने विश्लेषणात्मक विभागों की स्थापना की है और वो भारी मात्रा में मॉडल निर्माण एवं आंकड़ों के विश्लेषण की क्षमता वाले छात्रों की नियुक्ति कर रहे हैं।

इस केंद्र के मुख्य उद्देश्य निम्नलिखित हैं :-

- विश्लेषी ढांचा/मॉडल का भंडार विकसित करना
- विश्लेषी के प्रयोग के सर्वोत्तम उदाहरणों को इकट्ठा करना
- SAS, SPSS क्लेमेन्टाइन और अन्य उपकरणों के उपयोग द्वारा प्रारूप निर्माण/प्वाइंट सोल्यूशन तैयार करना
- कम्पनियों को उनकी अपनी वैश्लेषिक परिपक्वता में सुधार लाने के लिए सहायता देने के लिए सलाहकार ढांचे का विकास करना
- वर्त्तमान अनुसंधान को जारी रखने के लिए सलाह देने के कार्य से आय उत्पन्न करना तथा नए अनुसंधान के कोष के लिए बचत करना।
- श्वेतपत्र (whitepaper), अनुसंधान लेख तथा मामले का अध्ययन (case studies) की रचना करना।
- बिजनेस विश्लेषण पर राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों का आयोजन करना।
- डिजाइन, विकास और वैश्लेषिक समाधानों को लागू करने में अनुसंधानकर्त्ताओं तथा कार्यपालकों (executive) को प्रशिक्षण देना।
- इस क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए इस क्षेत्र के अग्रणी संस्थानों के साथ गठजोड़ करना।
- एम.बी.ए. कार्यक्रम तथा इससे सम्बन्धित क्षेत्रों के लिए वैश्लेषिक पाठ्यक्रम डिजाइन कर इसे प्रस्तुत करें।
- बिजनेस वैश्लेषिक पाठ्यक्रम पर नॉर्थ कैरोलीना स्टेट यूनिवर्सिटी का एम.एस. कार्यक्रम सबसे अच्छा है (http://analytics .ncsu.edu/) हम उनके साथ गठबंधन की सम्भावनाओं की तलाश कर सकते हैं, हम SAS तथा IBM के साथ भी गठबंधन की कोशिश कर सकते हैं।

विनिर्माण एवं खनन का केंद्र

खनन तथा विनिर्माण सेक्टर को पूर्वी क्षेत्र के अग्रणी खनन तथा विनिर्माण की ईकाईयों के सहयोग से अनुसंधान, प्रशिक्षण एवं सलाह द्वारा सहयोग देने की दृष्टि से इस केंद्र की स्थापना की गयी थी।

वह क्षेत्र जो इस सेक्टर पर प्रभाव डाल सकता है -

- आपूर्ति कड़ी का प्रबंध
- ग्राहक के सम्बंध का प्रबंध
- खनन तथा विनिर्माण में नेतृत्व
- खनन तथा विनिर्माण में सफलता के लिए अनुकूल मॉडल (नेटवर्क/परितंत्र मॉडल)
- क्षेत्र में उत्पादों का परीक्षण
- खनन तथा विनिर्माण के लिए TQM/TPM

ऊपरलिखित क्षेत्रों पर विनिर्माण के सेक्टर के लिए कार्यपालक विकास कार्यक्रमों की योजना बनायी जा रही है। इस केंद्र में खनन तथा विनिर्माण के सेक्टर के सर्वोत्तम लोगों के आपसी संवाद द्वारा उत्पन्न सामूहिक ज्ञान, प्रचालन प्रबंध में विशेषज्ञता रखने वाले PGDM छात्रों को उपलब्ध कराया जाएगा।

हमें पूर्वी क्षेत्र के वरीय कार्यपालकों की सलाहकार समिति गठित करने की आवश्यकता है। हम UK की क्रानफील्ड यूनिवर्सिटी के साथ सहयोग की संभावनाओं की तलाश कर सकते हैं जिसका विनिर्माण प्रबंध विभाग काफी अच्छा है। (http://www.cranfield.ac.uk/sas/manufacturing/index.htm).

हम IIT धनबाद और भारतीय कोयला प्रबंध संस्थान रांची के साथ भी सहयोग कर सकते हैं।

भारतीय प्रबंध पर अनुसंधान केंद्र

प्रबंध विज्ञान है या कला? काफी पुरानी इस बहस का समाधान अब तक नहीं निकला है। यद्यपि काफी पश्चिमी गुरू हमें भरोसा दिलाना चाहेंगे कि प्रबंध विज्ञान ज्यादा है, फिर भी बारीकी से देखने पर यह पूरी तरह से विज्ञान भी नहीं है। उदाहरण के लिए विज्ञान के सिद्धांत पूरी दुनिया में समान रूप से लागू होते हैं, प्रयोग चाहे अमेरिका में किए जाएं या भारत में हाइड्रोजन के दो अणु ऑक्सीजन के एक अणु के साथ मिलकर जल की एक इकाई बनाते हैं। प्रबंध के सरलतम मॉडल जैसे EOQ को भी विभिन्न परिस्थितियों के अनुसार हरेक संगठन के अनुसार विशेष रूप से अनुकूल बनाने की आवश्यकता पड़ती है। वैज्ञानिक पद्धतियों को निचले दर्जे के नियमित कार्यों के लिए लागू किया जा सकता है जबकि ऊंचे दर्जे के प्रबंधकीय मुद्दों तथा समस्याओं के लिए निर्णय क्षमता और मानवीय कारक सर्वाधिक महत्वपूर्ण होता है। इसके अतिरिक्त कुछ खास प्रबंधकीय कार्य जैसे प्रचालन और वित्त वैज्ञानिक पद्ध तियों और मॉडल के अधीन हो सकते हैं जबकि जन केंद्रित क्रियाएं जैसे मानव संसाधन एवं मार्केटिंग के कार्य ज्यादातर आत्मपरक होते हैं।

प्रबंध यदि कला ज्यादा है और परिस्थितियां निश्चित हो, तब प्रश्न यह उठता है कि क्या सिद्धांत सांस्कृतिक रूप से निरपेक्ष रह सकते हैं। भारत ने काफी खुले दिल से पश्चिम से विचारों को ग्रहण किया है जबकि जापान और चीन जैसे देश अपने विचारों को विकसित किया है 80 तथा 90 के दशक के प्रारंभ में जापानी प्रबंध काफी चर्चा में रहा था। चीनीयों की भी अपनी अवधारणा जैसे ''गुआनजी'' है जिसका अर्थ आपसी सम्बंध होता है वह व्यवसाय (बिजनेस) को विभिन्न पक्षों के बीच सम्बंधों के एक तंत्र (नेटवर्क) के रूप में देखते हैं, जो एक दूसरे की सहायता तथा सहयोग करते हैं। जब हम दूसरी संस्कृतियों से सीख लेने की सोच रहे हैं तो क्या हमें अपनी संस्कृति में अंतर्निहित ज्ञान से लाभ नहीं लेना चाहिए? इस केंद्र के जन्म के पीछे बिल्कुल यही वजह है।

इस केंद्र के कई उद्देश्य हैं जो नीचे बताए गए हैं -

- इस क्षेत्र में ज्ञान बांटने के लिए विद्वानों के एक नेटवर्क का निर्माण करना
- भारतीय प्रबंध पर भारत तथा विदेशों के विभिन्न लेखकों द्वारा किए गए कार्य का संकलन एवं मिलान करना
- अनुसंधान कार्य द्वारा वर्त्तमान ज्ञान में बढ़ोत्तरी करना
- प्रकाशन सम्मेलन, अध्ययन गोष्ठी द्वारा ज्ञान का प्रसार करना
- नए पाठ्यक्रम का विकास कर भारतीय प्रबंध पर पाठ्यक्रम उपलब्ध कराना।

समावेशी विकास केंद्र

झारखंड पर विश्व बैंक की रिपोर्ट में निम्नलिखित तथ्य हैं।

- खनन - कोयला एवं लौह अयस्क - GSDP का लगभग 15 प्रतिशत है - अखिल भारतीय स्तर से 6 गुना ज्यादा
- शिक्षा के क्षेत्र में प्रभावी प्रगति हुई है- 6 से 14 आयुवर्ग के 95 प्रतिशत बच्चे अब विद्यालयों में है।
- 59 प्रतिशत बच्चे कुपोषित हैं - यह भारत के सर्वाधिक उंचे स्तरों में एक हैं।
- सिर्फ 36 प्रतिशत गांवों में सभी मौसमों में उपयोग में आने वाली सड़क है - अखिल भारतीय औसत 57 प्रतिशत है।
- सिर्फ 11 प्रतिशत ग्रामीण घरों में बिजली है-अखिल भारतीय औसत 48 प्रतिशत है।

संस्थानों की नैतिक जिम्मेवारी होती है कि वह जिस क्षेत्र में कार्य कर रहे हैं उस क्षेत्र के सामूहिक विकास के लिए कार्य करें। आई.आई.एम. रांची के कंधो पर भारी जिम्मेवारी है क्योंकि यह एक प्रबंध संस्थान है। वे विचार और सिद्धांत जो उद्योग जगत के प्रबंधकों को पढाए जाते हैं आसानी से समाज के आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों के लिए कार्यरत लाभ निरपेक्ष संगठनों के लिए लागू किए जा सकते हैं।

समावेशी विकास केंद्र कोष-संग्रह तथा अनुसंधान करेगा एवं समावेशी विकास के लिए अपनी सेवाएं दे रहे NGO के लिए कार्यक्रम तैयार करेगा। हमें उद्यमिता के विभिन्न मॉडलों के विकास करने की जरूरत है जिसमें लाभ का सामाजिक भलाई से मेल होता हो। हमारी योजना IT से सहायता प्राप्त विकास मॉडलों की तलाश की भी है जैसे कि ग्रामीण क्षेत्रों में विकास तथा संयोजन के लिए द्विवर्षीय PGDM के छात्रों को केंद्र के दिशा निर्देश में सामाजिक योजनाओं का निष्पादन करना होगा।

तंत्रिका प्रबंध केंद्र

तंत्रिका से सम्बंधित कुछ भी आजकल फैशन में है। तंत्रिका नेतृत्व अध्ययन का उभरता हुआ क्षेत्र है जो नेतृत्व का विकास, प्रबंध प्रशिक्षण तथा प्रबंध बदलाव के क्षेत्रों में तंत्रिका वैज्ञानिक ज्ञान लाने पर केंद्रित है। मूलतः मस्तिष्क में विभिन्न भावनाओं के लिए अलग-अलग रासायनिक क्रिया होती है, अतः तंत्रिका नेतृत्व इस बात को समझना है कि इन भावनाओं की नेतृत्व में क्या भूमिका होती है। जब आप समझते हैं आपका महत्व बढ़ गया है यह आपके मस्तिष्क के रसायन पर अच्छा प्रभाव डालता है। जब आप अपने आप को सामाजिक रूप से - ठुकराया हुआ महसूस करते हैं तब आपके मस्तिष्क में वही सर्किट क्रियाशील होता है जब आप कोई शारीरिक कष्ट महसूस करते हैं। तंत्रिका नेतृत्व इस मामले नेतृत्व को समझने या फिर मापने (आप मस्तिष्क की विभिन्न रासायनिक गतिविधियों को माप सकते हैं) का एक और प्रयास है। कई संस्थानों को तंत्रिका नेतृत्व में विशेषज्ञता हासिल है और वह तंत्रिका नेतृत्व पर विशेषज्ञ (मास्टर) स्तर के कार्यक्रम उपलब्ध कराते हैं। http://www.neuroleadership.org

- तंत्रिका मार्केटिंग (विपणन) और इसका पूर्वगामी तंत्रिका अर्थशास्त्र मस्तिष्क के क्रियाकलाप तथा क्रियाविधि के चिकित्सीय जानकारी का उपयोग ''ब्लैक बाक्स'' के अंदर क्या हो रहा है यह समझाने के लिए करते हैं, जो उपभोक्ता के व्यवहार पर दिए गए कई स्पष्टीकरणों में पाया जा सकता है। अब तक बाजार के व्यवहार पर दिए गए स्पष्टीकरणों का आधार, बाजार अनुसंधान के आंकड़ों से प्राप्त अनुमान होता था। तंत्रिका विपणनकर्ता (मार्केटियर) विज्ञान का उपयोग उपभोक्ता के ''खरीददारी का बटन'' ढूंढने के लिए कर रहे हैं ताकि उपभोक्ता के दिमाग को और अच्छे से समझा जा सके। यह नया क्षेत्र मार्केटियर्स को बड़ी राहत दिला सकता है जो परंपरागत विपणन अनुसंधान पद्धति से हताश हैं जहां उपभोक्ता या तो झूठ बोलते हैं या फिर अन्वेषक को वही बताते हैं जो उनकी समझ से अन्वेषक सुनना चाहता हैं।
- हमारे रांची में होने का सबसे बड़े फायदा यह है कि दुनिया भर में जाना-माना मनोरोग विज्ञान संस्थान यहीं है। उनके पास सारे उपकरण हैं और हम उन्हें प्रबंधकीय समस्या निदान उपलब्ध करा सकते हैं। एक साथ हम रांची को तंत्रिका प्रबंध के विश्व मानचित्र पर ला सकते हैं।

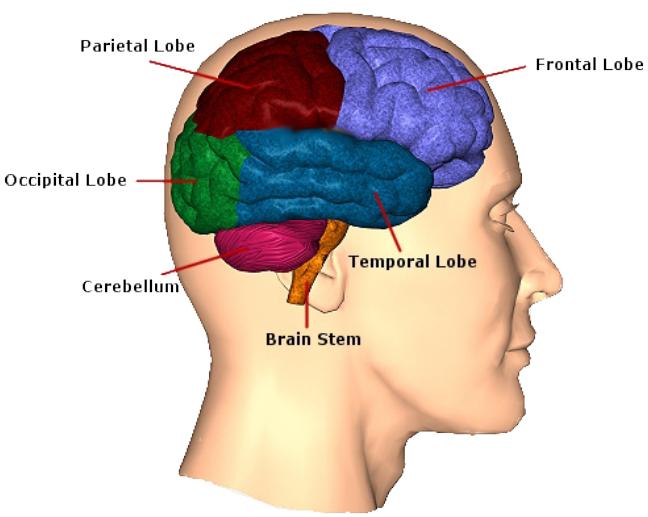

ई–गवर्नेंस (प्रशासन) केंद्र

भारत जैसे विशाल जनसंख्या वाले देश के लिए ई-गवर्नेंस देश की गली-गली में नागरिकों तक सरकारी सेवाओं को ले जाने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

यह जरूर है कि ई-गवर्नेंस सिर्फ सरकार से नागरिक (G2C) तक नहीं है बल्कि इसमें सरकार से बिजनेस (G2B) और इसके विपरीत भी, शामिल है। वर्ष 2006 में ई-गवर्नेंस पर आयोजित नवम राष्ट्रीय सम्मेलन में झारखंड ने सेवा प्रदान करने की श्रेणी में NIC द्वारा रजत प्रतिमा पुरस्कार जीता था। सरकारी अधिकारी ई-गवर्नेंस के क्रियान्वयन के द्वितीय चरण की ओर बढ़ना चाहते हैं।

इसकी वजह से हमारे पास अच्छा मौका है कि हम ई-गवर्नेंस केंद्र की स्थापना करें जो ई-गवर्नेंस पर समाधान देने वाली अग्रणी IT कम्पनियों से सहयोग ले। केंद्र सामान्य तौर पर IT द्वारा सहयोग प्राप्त गवर्नेंस (शासन) पर अनुसंधान करेगा और सरकारी अधिकारियों को प्रशिक्षण एवं सलाह देगा।

अन्य केंद्र

प्रबंध एक ऐसा बहुमुखी विषय है जहां हम किसी का भी सहयोग लेकर अनेकानेक योजनाएं प्रस्तुत कर सकते हैं। झारखंड के खेल निर्देशक यह विचार कर रहे थे कि हम खेल प्रबंध पर कोई योजना क्यों नहीं दे सकते और रांची में समूचे खेल गांव का भार ले लें। ग्रामीण प्रबंध, परिवहन प्रबंध, उर्जा प्रबंध, स्वास्थ्य प्रबंध, मीडिया प्रबंध, विकास में निरंतरता कायम रखना और अनेक क्षेत्रों में अवसर उपलब्ध है।

नए विचारों के लिए हम तैयार हैं यद्यपि इनमें से हरेक उद्देश्य के लिए समर्थकों की आवश्यकता है जो केंद्र का नेतृत्व कर सकें, पूर्व में चिन्हित छह केंद्रों से जब एक बार संस्थान में स्थायित्व आ जाए तब इनमें से कुछेक विचारों पर पुनः विचार विमर्श किया जा सकता है।

फैकेल्टी

कोर फैकेल्टी

प्रो. एम.जे. जेवियर
(एरिया : मार्केटिंग)
निदेशक, भारतीय प्रबंध संस्थान, राँची

विजिटिंग फैकेल्टी

प्रो. अमीत ज्योति सेन
(एरिया : संगठन व्यवहार)
भारतीय प्रबंध संस्थान, कलकत्ता

प्रो. अनिंद्या सेन
(एरिया : अर्थशास्त्र)
भारतीय प्रबंध संस्थान, कलकत्ता

प्रो. अंजन राय चौधरी
(एरिया : जेनरल मैनेजमेंट)
भारतीय प्रबंध संस्थान, कलकत्ता

प्रो. अरिजीत सेन
(एरिया : अर्थशास्त्र)
भारतीय प्रबंध संस्थान, कलकत्ता

प्रो. आशीष के. चटर्जी
(एरिया : ऑपरेशन्स मैनेजमेंट)
भारतीय प्रबंध संस्थान, कलकत्ता

प्रो. अशोक विश्वास
(एरिया : वित्त)
भारतीय प्रबंध संस्थान, कलकत्ता

प्रो. बी बी चक्रवर्ती
(एरिया : वित्त)
भारतीय प्रबंध संस्थान, कलकत्ता

प्रो. सी पाण्डूरंग भट्टा
(एरिया : जेनरल मैनेजमेंट)
भारतीय प्रबंध संस्थान, कलकत्ता

प्रो. जानकीरमण मूर्त्ती
(एरिया : मार्केटिंग)
भारतीय प्रबंध संस्थान, कलकत्ता

प्रो. मनीष कुमार ठाकुर
(एरिया : जेनरल मैनेजमेंट)
भारतीय प्रबंध संस्थान, कलकत्ता

प्रो. मनीषा चक्रवर्ती
(एरिया : अर्थशास्त्र)
भारतीय प्रबंध संस्थान, कलकत्ता

प्रो. मेघा शर्मा
(एरिया : ऑपरेशन्स मैनेजमेंट)
भारतीय प्रबंध संस्थान, कलकत्ता

प्रो. मृत्युजय महंती
(एरिया : अर्थशास्त्र)
भारतीय प्रबंध संस्थान, कलकत्ता

प्रो. पार्था प्रतिम पल
(एरिया : अथशास्त्र)
भारतीय प्रबंध संस्थान, कलकत्ता

प्रो. पार्था प्रिया दत्त
(एरिया : ऑपरेशन मैनेजमेंट)
भारतीय प्रबंध संस्थान, कलकत्ता

प्रो. प्रशान्त मिश्रा
(एरिया : मार्केटिंग)
भारतीय प्रबंध संस्थान, कलकत्ता

प्रो. प्रीतम बासु
(एरिया : ऑपरेशन मैनेजमेंट)
भारतीय प्रबंध संस्थान, कलकत्ता

प्रो. पलक दास
(एरिया : हूमैन रिर्सोस मैनेजमेंट)
भारतीय प्रबंध संस्थान, कलकत्ता

प्रो. पूरबा एच. राव
(एरिया : बिजिनेस एनालिटिक्स)
भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद एण्ड गेरेट लेक इंस्चूयूट ऑफ मैनेजमेंट, चैनई

प्रो. पुरूशोत्तम सेन
(एरिया : वित्त)
भारतीय प्रबंध संस्थान, कलकत्ता

प्रो. राहूल मुखर्जी
(एरिया : ऑपरेशन मैनेजमेंट)
भारतीय प्रबंध संस्थान, कलकत्ता

प्रो. राहूल राय
(एरिया : इंफोरमेशन सिस्टम)
भारतीय प्रबंध संस्थान, कलकत्ता

प्रो. राजेश बाबू
(एरिया : पब्लिक पॉलिसी एण्ड मैनेजमेंट)
भारतीय प्रबंध संस्थान, कलकत्ता

प्रो. रंजन मित्तर
(एरिया : जेनरल मैनेजमेंट)
भारतीय प्रबंध संस्थान, कलकत्ता

प्रो. रूणा सरकार
(एरिया : अर्थशास्त्र)
भारतीय प्रबंध संस्थान, कलकत्ता

प्रो. एस. भट्टाचार्या
(एरिया : मैनेंजमेंट इन्फोरमेशन सिस्टम)
भारतीय प्रबंध संस्थान, कलकत्ता

प्रो. संजीत सिंह
(एरिया : ऑपरेशन मैनेजमेंट)
भारतीय प्रबंध संस्थान, कलकत्ता

प्रो. सहदेब सरकार
(एरिया : ऑपरेशन मैनेजमेंट)
भारतीय प्रबंध संस्थान, कलकत्ता

प्रो. शान्तनू डे
(एरिया : जेनरल मैनेजमेंट)
भारतीय प्रबंध संस्थान, कलकत्ता

प्रो. शरद सरीन
(एरिया : मार्केटिंग)
एक्स.एल.आर.आई., जमशेदपुर

प्रो. सूमंता बासू
(एरिया : ऑपरेशन मैनेजमेंट)
भारतीय प्रबंध संस्थान, कलकत्ता

प्रो. उत्तम के. सरकार
(एरिया : मैनेजमेंट इनफोरमेशन सिस्टम)
भारतीय प्रबंध संस्थान, कलकत्ता

प्रो. वी.के. उन्नी
(एरिया : पब्लिक पॉलिसी एण्ड मैनेजमेंट)
भारतीय प्रबंध संस्थान, कलकत्ता

स्नातकोत्तर प्रबंध : 2010 – 12 सत्र

दाखिले का आँकड़ा

CAT 2009 के प्राप्तांकों के साथ आई.आई.एम. रांची को सम्भावित उम्मीदवारों के 6294 आवेदन पत्र प्राप्त हुए, इनमें से 491 छात्रों को सामूहिक विचार विमर्श तथा साक्षात्कार के लिए बुलाया गया और अंततः 44 को दाखिला मिला।

निम्नलिखित व्यापक ''कट आफ प्राप्तांक तालिका'' दाखिले/शार्ट लिस्टिंग के लिए उपयोग में लायी गयी

श्रेणी	परिमाणात्मक शतमक		आंकड़ों का और अनुवाद		मौखिक शतमक		कुल		एस.एस.सी. प्राप्तांक	एच.एस.सी. प्राप्तांक
	प्राप्तांक	शतमक	प्राप्तांक	शतमक	प्राप्तांक	शतमक	प्राप्तांक	शतमक		
मुक्त	68	85.53	67	85.68	66	85.48	285	99.66	60%	60%
ओबीसी-एनसी	62	80.42	61	80.46	61	80.95	228	95.76	60%	60%
एस.सी.	52	70.08	52	70.26	52	70.96	192	88.09	50%	50%
एस.टी.	44	60.12	45	60.93	46	62.76	166	78.91	50%	50%
पी.डब्ल्यू.डी.	49	66.49	47	63.69	45	61.41	180	84.29	55%	55%

	2012-12 बैच
छात्रों ने दाखिला लिया	44
छात्रों ने छोड़ा	1

बैच की मुख्य बातें (बैच 2010–12)

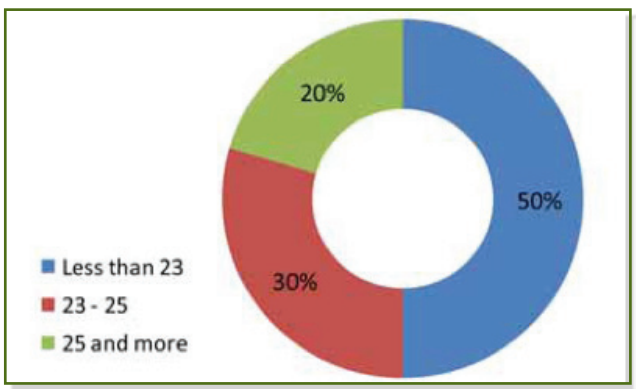

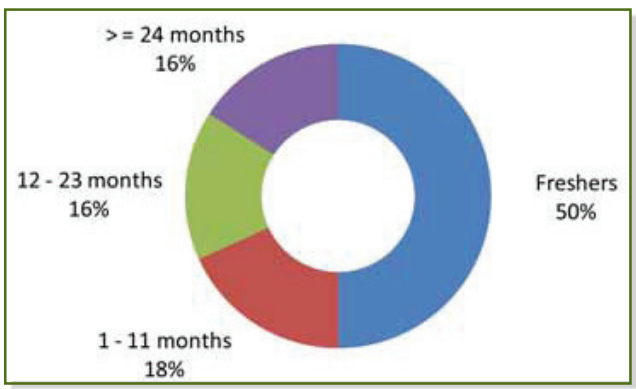

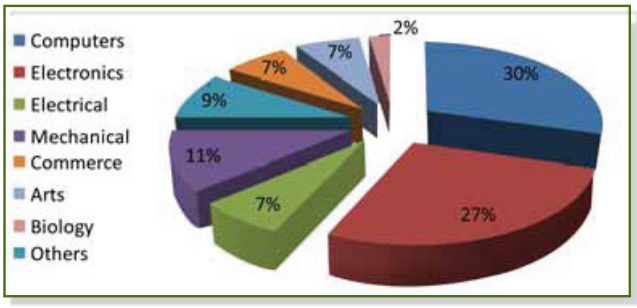

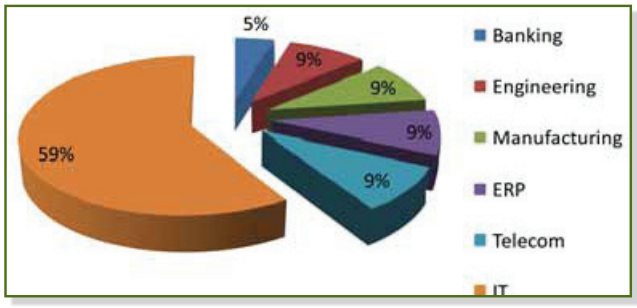

शुल्क ढांचा (बैच 2010–12)

क्र. सं.	मद	1 ला सत्र	2 रा सत्र	3 रा सत्र	कुल
1	अनुशिक्षण शुल्क (ट्यूशन)	67,000.00	67,000.00	67,000.00	201,000.00
2	पाठ्यक्रम की वस्तुएं	16,000.00	16,000.00	16,000.00	48,000.00
3	कम्प्यूटर शुल्क	8,000.00	8,000.00	8,000.00	24,000.00
4	पुस्तकालय शुल्क	5,000.00	5,000.00	5,000.00	15,000.00
5	कमरे का किराया	4,000.00	4,000.00	4,000.00	12,000.00
6	जमानती राशि	5,000.00	—	—	5,000.00
7	भोजन शुल्क	5,000.00	—	—	5,000.00
कुल		**110,000.00**	**100,000.00**	**100,000.00**	**310,000.00**
				बगैर जमानती राशि के	**300,000.00**

क्र. सं.	मद	चौथा सत्र	पांचवा सत्र	छठा सत्र	कुल
1	अनुशिक्षण शुल्क	67,000.00	67,000.00	67,000.00	201,000.00
2	पाठ्यक्रम की वस्तुएं	16,000.00	16,000.00	16,000.00	48,000.00
3	कम्प्यूटर शुल्क	8,000.00	8,000.00	8,000.00	24,000.00
4	पुस्तकालय शुल्क	5,000.00	5,000.00	5,000.00	15,000.00
5	कमरे का किराया	4,000.00	4,000.00	4,000.00	12,000.00
कुल		**100,000.00**	**100,000.00**	**100,000.00**	**300,000.00**
				बगैर जमानती रूपयों के	**300,000.00**

पाठ्यक्रम

आई आई एम कलकत्ता के सहयोग से तैयार किया गया पाठ्यक्रम भारत में प्रबंध शिक्षा का मिलन स्पृश्यता और अवधार्यता पर अतिरिक्त बल के साथ होना ही इसे दूसरों से अलग बनाता है। शिक्षण प्रणाली में सिद्धांत, मुद्दों (केस) पर विचार-विमर्श एवं कार्य योजना का संतुलन है, जिसमें छात्रों द्वारा किए जाने वाले अनुसंधान का भी योगदान है जो प्रबंध की व्यावहारिक समस्याओं पर आश्यक अंतर्दृष्टि भी उपलब्ध कराता है। पाठ्यक्रम की शुरूआत में छात्रों को गणित का नोन-क्रेडिट पाठ्यक्रम लेना आवश्यक होता है यह छात्रों को प्रबंध को समझने के लिए परिणात्मक एवं स्पृश्यता के परिप्रेक्ष्य से आवश्यक निपुणता से युक्त करता है। केस स्टडी (मुद्दों पर अध्ययन) पर विचार-विमर्श पाठ्यक्रम का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। कक्षाएं उद्योगों द्वारा सामना किए जा रहे सबसे महत्वपूर्ण चुनौतियों पर जोशीले एवं सक्रिय विचार विमर्श का क्षेत्र बन जाती है, जिससे मौजूदा समस्याओं पर नयी अंतर्दृष्टि का निर्माण होता है।

पी.जी.डी.एम. दो वर्ष का पूर्णकालिक कार्यक्रम है, इसमें 6 सत्र होते हैं तथा प्रत्येक सत्र तीन महीने का होता है। मूल पाठ्यक्रम की समयावधि पहले तीन सत्रों तक होती है। पहले वर्ष का उद्देश्य छात्रों को प्रबंध का सर्वांगीण परिचय उपलब्ध कराना है। प्रत्येक सत्र का उद्देश्य वित्त, मार्केटिंग, आपरेशन, मानव संसाधन एवं अर्थशास्त्र के क्षेत्र में छात्रों की समझ को और आगे बढ़ाना है।

आई आई एम सी और एक्स एल आर आई के दौराशील संकाय के द्वारा शिक्षण कार्य किया गया।

प्रशिक्षु शिक्षण सहायकों ने शिक्षण कार्य में दौराशील संकाय (विजिटिंग फैकल्टी) की सहायता की। कुछेक कर्मचारियों ने संस्थान के प्रशासनिक कार्य में सहायता की।

ग्रीष्म इंटर्नशिप पाठ्यक्रम का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इंटर्नशिप साधारणतः 8-10 सप्ताह की अवधि का होता है और यह पाठ्यक्रम का अनिवार्य हिस्सा है जिसमें तीन क्रेडिट होते हैं।

कार्यक्रम के दूसरे वर्ष के दौरान चुनने के लिए विभिन्न वैकल्पिक विषय होते हैं, जिसमें परंपरागत एवं समसामयिक विषयों का संतुलन होता है।

2010-12 की बैच के कुल 43 छात्रों में से तीन छात्र मिस पियूषा बाधेल, नयन मानिक त्रिपुरा और दीपक जैन ने मानव संसाधन पाठ्यक्रम में विशिष्टीकरण का चयन किया उन्होंने दूसरे वर्ष का पाठ्यक्रम एक्स एल आर आई जमशेदपुर से पूरा किया।

पाठ्यक्रम (2010–12) बैच

प्रथम वर्ष (अनिवार्य पाठ्यक्रम) का ढांचा

सत्र I	सत्र II	सत्र III
माइक्रो इकोनोमिक एनालिसिस फॉर बिजनेस डिसिजन (3)	माइक्रो इकोनोमिक एनालिसिस फॉर बिजनेस डेसिशन्स (3)	इंडियन एण्ड ग्लोबल इकोनोमी (1.5)
फाइनान्शियल रिर्पोटिंग एण्ड एनालिसिस (3)	कोस्ट मैनेजमेंट (1.5)	फाइनान्शियल मैनेजमेंट (3)
ऑर्गनाइजेशनल बिहेवियर (1.5)	ऑर्गनाइजेशनल थियोरी (1.5)	ह्यूमन रिर्सोस मैनेजमेंट (1.5)
स्टैटिस्टिक्स फॉर बिजनेस (3)	डिसिजन एनालिसिस एण्ड ऑपरेशन रिसर्च (3)	मार्केट रिसर्च (1.5)
लीगल एण्ड सोशल एसपेक्टस ऑफ बिजनेस (3)	बिजनेस एथिक्स एण्ड वैल्यूज (1.5)	स्ट्रैटेजिक मैनेजमेंट (3)
इन्फोरमेशन टेक्नोलॉजी फॉर बिजनेस (3)	मार्केटिंग मैनेजमेंट (3)	एन्टरप्रेन्योरशिप (1.5)
क्वालिफाइंग मैथेमेटिक्स	रिटर्न् एनालिसिस एण्ड कम्यूनिकेशन-1 (1.5)	मैन्यूफैक्चरिंग एण्ड सर्विस ऑपरेशन्स मैनेजमेन्ट (3)
		रिटर्न एनालिसिस एण्ड कम्यूनिकेशन 2 (1.5)

द्वितीय वर्ष चयनात्मक/वैकल्पिक पाठ्यक्रम

- B2B मार्केटिंग
- बैंक एण्ड इन्श्योरेंस मैनेजमेंट
- बिहेवियरल् फाइनांस
- ब्राण्ड मैनेजमेन्ट
- बिजनेस एनालिटिक्स
- बिजनेस वैल्यूएशन
- कन्ज्यूमर बिहेवियर
- कोरपोरेट इन्फोरमेशन स्ट्रैटेजी एण्ड मैनेजमेन्ट
- कोरपोरेट टैक्सेशन
- कन्जयूमर रिलेशंश मैनेजमेंट
- डिमान्ड एण्ड बिजनेस फोरकास्टिंग
- डूइंग बिजनेस इन चाइना
- इकोनोमेट्रिक मेथड्स
- इकोनोमिक्स ऑफ डेवलपमेंट
- फाइनान्शियल मॉडलिंग यूसिंग एक्सेल
- फाइनान्शियल रिस्क मैनेजमेन्ट

- फिक्स्ड इनकम मार्केट
- गेम थियोरी एण्ड बिजनेस स्ट्रैटेजी : एन इकोनोमिक पर्सपेक्टिव
- ग्लोबल इकोनॉमी ऑफ 21st सेंचुरी : ट्रेंन्डज एण्ड इश्यूज
- इन्डस्ट्रियल इकोनोमिक्स एण्ड कॉम्पिटिटिव स्ट्रैटेजीज
- इन्फ्रास्ट्रक्चर फाइनांसिंग
- इन्टेग्रेटेड मार्केटिंग कम्यूनिकेशन्स
- इन्टरनैशनल इकोनोमिक्स
- इन्टरनेशनल मार्केटिंग
- इकोनोमी ऑफ बिजनेस पॉलिसी
- लर्निंग ऑर्गनाइजेशन
- लोजिस्टिक एण्ड सप्लाई चेन मैनेजमेन्ट
- मैनेजमेन्ट ऑफ सेल्फ इन ऑर्गनाइजेशन्स
- मर्जरस् एण्ड एक्विजिशन्स
- न्यू प्रोडक्ट एण्ड प्रोडक्ट मैनेजमेन्ट
- ऑपशन्स् एण्ड फ्यूचर्स
- प्रोइवेट इक्विटी एण्ड वेंचर कैपिटल
- प्रोसेस एक्सेलेन्स एण्ड क्वालिटी मैनेजमेन्ट
- प्रोजेक्ट मैनेजमेन्ट
- रिटेल मैनेजमेन्ट
- रूरल मार्केटिंग
- इन्वेस्टमेन्ट एनालिसिस एण्ड पोर्टफोलियो मैनेजमेन्ट
- सेल्स् एण्ड डिस्ट्रिब्यूशन
- सर्विसेस मार्केटिंग
- ट्रेडिंग स्ट्रैटेजीस

तीन अनिवार्य पाठ्यक्रम

- इंडियन कल्चर (1.5)
- केस राइटिंग (3.0)
- कैप्स्टोन बिजनेस सिम्यूलेशन (3)

तीन क्रेडिट रहित अनिवार्य पाठ्यक्रम

- बिजनेस एण्ड गर्वनमेंट
- बिजनेस नेगोशिएशन्स
- इनर डेवलपमेंट

ग्रीष्म इन्टर्नशिप

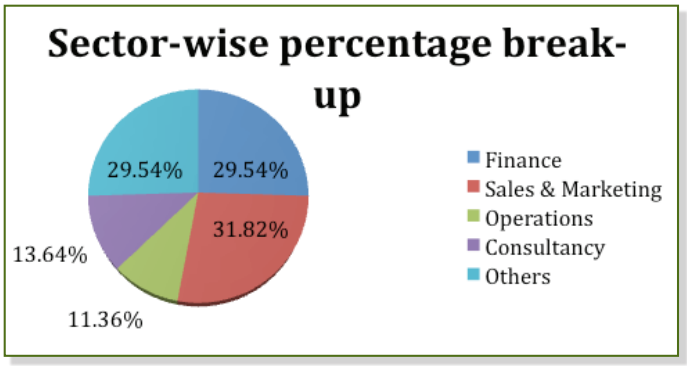

आई.आई.एम. रांची, जो प्रबंध संस्थानों में आठवां है, को अपनी स्थापना के प्रथम वर्ष में ही काफी प्रोत्साहन मिला। आई.आई.एम. रांची ने अपने बैच के सभी 44 विद्यार्थियों के लिए ग्रीष्म इन्टर्नशिप का पूरी तरह भुगतान कराने में सफलता पाई।

44 विद्यार्थियों के छोटे बैच के लिए विभिन्न सेक्टरों के 24 कंपनियों द्वारा कुल 51 प्रस्ताव आए। एक बड़े दायरे में प्राप्त प्रालेख प्रस्तावों में आर्थिक, रणनीति, सेवा क्षेत्र प्रबंधन, सूचना तकनीक परामर्श, सांख्यिकी, आर्थिक शोध शामिल हैं। इसके अलावा कई क्षेत्रों से नियमित प्रस्ताव भी आए, जिनमें सेल्स एण्ड मार्केटिंग, कोरपोरेट बैंकिंग, ऑपरेशन्स और मानव संसाधन शामिल हैं।

सेल्स और मार्केटिंग में सबसे अधिक 31.82 प्रतिशत प्रस्ताव आए जबकि फाइनेंस 29.54 प्रतिशत के साथ दूसरा लोकप्रिय क्षेत्र रहा। प्रचालन में 11.36 प्रतिशत और कन्सलटिंग में 13.64 प्रतिशत प्रस्वाव आए।

हमारे दो छात्रों को सिंगापुर और मलेशिया में इन्टर्नशिप का प्रस्ताव एक बहुराष्ट्रीय कंपनी ने दिया। मानेदय की सर्वाधिक राशि 160,000 रू. दी गई। 44 छात्रों के बैच को औसतन दो महीनों के लिए 55000 की राशि दी गई।

आई.आई.एम रांची द्वारा सर्वाधिक CAT कट-ऑफ प्राप्तांक रखे जाने को ध्यान में रखते हुए कई कंपनियों ने छात्रों को प्रस्ताव दिए। CNBC ग्रुप छात्र केवल आई आई एम रांची को ही वाणिज्य बाजार विश्लेषक की भूमिका दी गई। एक अग्रणी कंपनी ने अपने निदेशक के अधीन कार्यनीति तय करने की भूमिका प्रदान की। नोकिया कंपनी के मार्केटिंग विभाग में कुछ ही आई आई एम के छात्र कार्य कर रहे हैं जिनमें हमारा संस्थान भी शामिल है।

कम्पनियों का सेक्टर के अनुसार विवरण जहां छात्र नौकरी (इंटर्नशिप) करेंगे

- **बैंकिंग एवं वित्त -** एच.एस.बी.सी., स्टैंडर्ड चार्टड बैंक, सी.एन.बी.सी. ग्रुप, आई.सी.आई.सी.आई. बैंक, यस बैंक, एल एंड टी फायनांस, क्लियरिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया
- **सलाहकार -** अर्न्स्ट एंड यंग, प्राइस वाटर हाउस कूपरस्, विप्रो कंसल्टिंग, इंडेक्स एडवायजरी, एसक्लपियस कंसल्टिंग
- **सेल्स एवं मार्केटिंग -** नोकिया, वोडाफोन, रिगली, डाबर, एच.टी. मीडिया, हिन्दुस्तान पेंसिल्स, एक्साइड
- **अन्य -** बोस्टन साईंटिफिक, ओबेरॉय ग्रुप, लोजिका वर्ल्डवाइड, मारूति, एक्साइड

2011 की ग्रीष्मकालीन नौकरी (इंटर्नशिप) की मुख्य बातें

- सभी 44 विद्यार्थियों के लिए संवैतनिक नौकरी (इंटर्नशिप) की प्रक्रिया
- सभी को उनकी रूचि के क्षेत्र में प्रस्ताव आए
- दो छात्रों को अंतर्राष्ट्रीय प्रस्ताव मिले
- आई.आई.एम. रांची उन कुछेक आई.आई.एम. में से रहा जिसके छात्रों ने इंटर्न के रूप में नोकिया में काम किया
- दो महीने के लिए औसत छात्रवृत्ति 55,000/- रू. के आस पास थी।

निम्नलिखित तथ्य सफलता का कारण थे : परामर्शदाता संस्था, आई.आई.एम. कोलकाता द्वारा सहायता एवं प्रोत्साहन

- श्री आर.सी. भार्गव की योग्य अध्यक्षता में संचालक मंडल का दिशा निर्देशन एवं सहायता देना
- आसपास के कई बी-स्कूलों से नजदीकी होना
- आई.आई.एम. रांची के निदेशक एवं प्रशासनिक कर्मचारियों का दिशा निर्देश एवं उनका उपाय कुशल होना।

लम्बे समय के लिए फलदायक कॉरपोरेट सम्बंध बनाने के प्रयास में आई.आई.एम. रांची विभिन्न कॉरपोरेट्स को अतिथि व्याख्यान (Guest Lectures) एवं कॉरपोरेट बातचीत के लिए निमंत्रण देने की प्रक्रिया में है।

हम आई.आई.एम. कोलकाता को इस संस्थान की सुदृढ़ नींव डालने के लिए हमें दिए प्रोत्साहन एवं सहायता के लिए धन्यवाद देते हैं।

छात्र समितियां एवं क्लब

छात्र समितियां आई आई एम रांची का अनिवार्य हिस्सा है। प्रत्येक समिति के छात्र इस बात के लिए प्रयासरत रहते हैं कि आई आई एम रांची का ऊंचा स्तर बना रहे। छात्रों की क्रियाशीलता सुनिश्चित करने वाली छात्र समितियां इस प्रकार हैं:-

शैक्षणिक समिति

शैक्षणिक समितियां सभी शैक्षणिक मुद्दों को देखती हैं ताकि प्रेरक पठन-पाठन का वातावरण सुनिश्चित किया जा सके यह समितियां छात्रों तथा प्रशासन के बीच संवाद के माध्यम का कार्य करती हैं। यह समितियां शैक्षणिक कैलेंडर को अंतिम रूप देने में, कक्षाओं की समय सारणी बनाने, तथा वैकल्पिक एवं विशेष रूचि के पाठ्यक्रमों के लिए सहयोग देने का कार्य करते हैं।

नियोजन प्लेसमेंटथ समिति

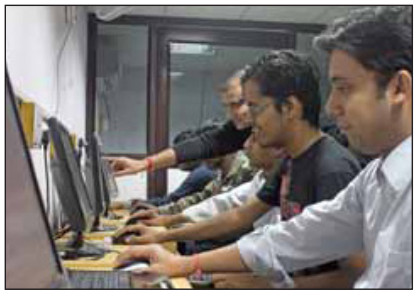

नियोजन समिति कॉरपोरेट सम्बधों के लिए उत्तरदायी है और संस्थान में नियोजन से सम्बधित कार्यों का संचालन करती है।

आई टी समिति

आई टी समिति कॉलेज तथा छात्रावास में आई टी की आधारभूत संरचना की देख रेख करती है ताकि सभी को निर्बाध एवं त्रुटिहीन आई टी सेवा मिल सके।

छात्र सुविधा समिति

यह समिति मेस को अच्छी तरह चलाने के साथ साथ सभी छात्र सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए उत्तरदायी है।

खेल एवं सांस्कृतिक समिति

यह समिति विभिन्न खेल एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करती है तथा छात्रों को सभी आवश्यक सुविधाओं का मिलना सुनिश्चित करती है।

साहित्य मीडिया एवं जन सम्पर्क समिति

यह समिति समाचारिका एवं मैगजीन के प्रकाशन एवं मीडिया के साथ समन्वय स्थापित करने के लिए उत्तरदायी है। यह समिति संस्थान की सभी घटनाओं, कार्यक्रमों के विषय प्रेस विज्ञप्ति जारी करती है तथा साथ ही इन कार्यक्रमों के दौरान कवरेज के लिए मीडिया से तालमेल भी बिठाती है।

सभी समितियां छात्रों की मूल आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए, कॉरपोरेट गठबंधन के निर्माण एवं समस्त छात्र निकाय के सुचारू रूप से क्रियाशील बने रहने के लिए प्रयासरत रहती है।

इन समितियों के अलावे विभिन्न प्रबंध क्लबों का भी गठन हुआ है। इसमें **माकीज़**-द मार्केटिंग क्लब **फ़िनेस**-द फाइनेंस क्लब, **आयाम**-उद्यमिता क्लब, **संक्रिया**-कार्य/कार्यनीति क्लब, **समर्पण**-सामाजिक उत्तरदायित्व क्लब **नोसियोमैनिया**-प्रश्नोत्तरी क्लब।

माकीज़ – मार्केटिंग क्लब

माकीज़ क्लब, आई आई एम रांची का मार्केटिंग क्लब है यह विचारों एवं अवधारणाओं को साकार करने पर ध्यान देती है जिससे कम्पनियों को लोगों की व्यापक जरूरतों को पूरा करने और जरूरतों को सीमित करने में सहायता मिलती है जो किसी भी संगठन के अस्तित्व में बने रहने का सिद्धांत है। तेजी से बदलते बाजार मांग तथा विश्लेषण के लिए जरूरी नवपरिवर्तनकारी रणनीतियों को समझकर छात्रों को विचार करने का अपना तरीका विकसित करने के लिए प्रेरित किया जाता है। मनोरंजक विज्ञापन निर्माण एवं नारा लिखने की प्रतियोगिता के अलावे क्लब का उद्देश्य केस (मुद्दों) के विश्लेषण के द्वारा कार्यप्रणाली का नजदीकी अनुभव कराना भी है। दीर्घाविधि में क्लब का उद्देश्य एक समाचारिका का प्रकाशन है जिसमें बाजार के नवीनतम चलन के विषय विस्तृत सामान्य विवरण रहेगा।

फिनेस–द फाइनांस क्लब

वित्त में उत्साहपूर्ण रूचि रखने वालों का यह क्लब छात्रों की वित्त सम्बन्धी जानकारी को बढ़ाने और पोषण के लिए तथा उद्योगों के साथ सहयोग बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। सदस्यों को कॉरपोरेट वित्त, पूंजी बाजार, निवेश बैंकिंग एवं अन्य सम्बधित क्षेत्रों के नवीनतम चलन एवं प्रगति के बारे में नियमित क्लब बैठकों में जानकारी दी जाती है। क्लब की आकांक्षा उद्योगों के साथ अपने सम्बध के द्वारा वर्तमान आर्थिक एवं वित्तीय मुद्दों पर आगंतुक व्याख्यान का आयोजन करना है। छात्रों के कौशल को निखारने के लिए यह आभासी व्यापारी खेल, मुद्दों का अध्ययन एवं वाद-विवाद प्रतियोगिताओं का आयोजन भी करता है।

आयाम–उद्यमिता क्लब

जरूरी नहीं है कि एक सफल व्यवसाय भारी निवेश के साथ शुरू हो, इसकी शुरूआत एक सरल विचार से होती है। आयाम के सदस्य नवपरिवर्तन, सत्य-निष्ठा खुले पन और सामूहिक कार्य क्षमता पर ध्यान केंद्रित करते हैं ताकि ज्ञान के सही उपकरण और तरीकों के द्वारा विचार फलीभूत हो सके। क्लब का उद्देश्य उन संभाव्य विचारों को परिष्कृत करना है जो सामान्यतः कॉफी के लिए विराम एवं दो व्याख्यानों के बीच उत्पन्न होते हैं। व्यवसाय की योजनाएं बैच के सामने प्रस्तुत कर इन पर विचार किया जाता है और इनकी व्यवहार-साध्यता एवं क्षमता का विश्लेषण किया जाता है।

संक्रिया–कार्य/कार्यनीति क्लब

इस क्लब का उद्देश्य शैक्षणिक पाठ्यक्रम से अलग हटकर छात्र समुदाय में कार्य अनुसंधान एवं प्रबंध के क्षेत्र में रूचि जगाना है। यह क्लब अपने क्षेत्र में विभिन्न प्रकार की प्रगति एवं विजनेस पर इसके प्रभाव को समझने की कोशिश करता है। यह क्लब उद्योगों के विभिन्न प्रकार की प्रगति एवं बिजनेस पर इसके प्रभाव को समझने की कोशिश करता है। यह क्लब उद्योगों के विभिन्न कार्य व्यवहार जैसे सिक्स सिगमा, लीन मैन्यूफैक्चरिंग पर नियमित तौर पर प्रस्तुतीकरण और इन्हीं मुद्दों पर विचार-विमर्श का आयोजन भी करता है।

समर्पण–सी एस आर क्लब

यह क्लब रांची और इसके आस-पास विभिन्न प्रकार के सामाजिक क्रिया-कलापों का आयोजन करता है और यह एक सम्मिलित समाज की दृष्टि (विजन) को आगे ले जाने के लिए प्रतिबद्ध है।

क्विज़नीलैंड – प्रश्नोत्तरी क्लब

प्रश्नोत्तरी में उत्साह रखनेवाले दल के द्वारा गठित क्विज़नीलैंड विभिन्न कार्यक्रमों जैसे प्रश्नोत्तरी, वाद-विवाद और युवा सांसद के द्वारा ज्ञानवर्द्धन का लक्ष्य रखता है। क्लब एक सार्वजनिक ब्लाग का संचालन करता है और भाग लेने के लिए क्विजनीलैंड के प्रति उत्साह रखने वाले अन्य व्यक्तिओं का स्वागत करता है।

बुनियादी ढांचा

कक्षा

शैक्षणिक खंड में सुरूचिपूर्ण ढंग से डिजाइन किए गए और सभी आवश्यक आधुनिक सुविधाओं से युक्त दो कक्षाएं हैं। आई.आई.एम. रांची में हम यह विश्वास करते हैं कि तकनीकी उपकरणों (टेक्नोलॉजी टूल) के प्रयोग से शिक्षण प्रक्रिया की गुणवत्ता में वृद्धि की जा सकती है। यह विचारों को बेहतर रूप से समझने में छात्रों की सहायता करता है तथा जिस अवधारणा के विषय में पढ़ाया जा रहा है उसके बारे में सजीव कल्पना करने का साधन देकर, छात्रों को औरों से कुछ बेहतर स्थिति में ले आता है। अतः कक्षाएं कम्प्यूटर, प्रोजेक्टर, आधुनिक ध्वनि प्रणााली, ओ.एच.पी. और अन्य दृश्य श्रव्य उपकरणों से युक्त हैं। समूचा शैक्षणिक खंड वाई-फाई इंटरनेट से युक्त है।

जब आप आधुनिक समाज द्वारा सामना किए जा रहे कुछेक सर्वाधिक महत्वपूर्ण सामाजिक एवं आर्थिक चुनौतियों के बारे में गहन चिंतन कर रहे हो एक ऐसे वातावरण का होना बहुत महत्वपूर्ण है जो ऐसे विचार विमर्श को आगे बढ़ाने का काम करे। अतः कक्षाओं में कार्यकुशलता बढ़ाने के उद्देश्य से डिजाइन किए गए फर्नीचर हैं, यहां वातावरण नियंत्रण प्रणाली (क्लाइमेट कंट्रोल सिस्टम), सुरूचिपूर्ण रोशनी और आंतरिक साज सज्जा है ताकि कक्षा का वातावरण सीखने में सहायक हो।

पुस्तकालय

आई.आई.एम. रांची का पुस्तकालय ''अथेनायम - सीखने का संसाधन केंद्र'' के नाम से जाना जाता है। आई. आई.एम. रांची का पुस्तकालय छात्रों की शैक्षणिक जरूरतों को पूरा करने के लिए अच्छी तरह भरा पड़ा है। यह अति आधुनिक पुस्तकालय है जहां मुद्रित एवं इलेक्ट्रोनिक फारमैट दोनों में ही पठन सामग्री है इसमें किताबें, पत्रिकाएं, डाटाबेस, सी.डी./डी.वी.डी., इ-जर्नल रिपोर्ट इत्यादि शामिल हैं। पुस्तकालय में हरेक छात्र की जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त मात्रा में पुस्तकें हैं।

सीखने का संसाधन केंद्र शैक्षणिक समुदाय को उनके बौद्धिक लक्ष्यों को पूरा करने के लिए सूचना सेवा उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

पुस्तकालय उपयोगकर्त्ताओं को अपने अंदरूनी स्रोत तथा नेटवर्क आधारित सेवाओं के द्वारा विभिन्न प्रकार की सेवाएं उपलब्ध कराता है। पुस्तकालय जिन इलेक्ट्रोनिक संसाधनों का सदस्य है , उपयोगकर्त्ता संस्थान के नेटवर्क पर उसका उपयोग कर सकते हैं। पुस्तकालय के क्रियाकलाप और सेवाएं वर्चुआ लाइब्रेरी मैनेजमेंट साफ्टवेयर के द्वारा पूरी तरह स्वचालित है। उपयोगकर्ता आनलाइन पुस्तकालय सूचीपत्र से पुस्तकालय में उपलब्ध सामग्री के बारे में अपने कम्प्यूटर टर्मिनल से ही पता कर सकते हैं।

इलेक्ट्रोनिक लाइब्रेरी में प्रमुख ऑनलाइन डाटाबेस जैसे प्रोक्वेस्ट का ABI/INFORM कमप्लीट, बिजनेस सोर्स कमप्लीट (EBSCO), JSTOR, IEEE ऑनलाइन लाइब्रेरी, ISI एमर्जिंग मार्केट, CMIE का डाटाबेस, ACM डिजिटल लाइब्रेरी, इ-ब्रारी इ-बुक, कैपिटल लाइन प्लस, इंडियास्टैट इत्यादि शामिल हैं इलेक्ट्रोनिक लाइब्रेरी सप्ताह में सातों दिन पूरे समय शैक्षणिक समुदाय को सेवाएं उपलब्ध कराता है।

पुस्तकालय में निम्नलिखित सामग्रियां हैं

किताबे	1259 (लगभग)
पत्रिकाएं	15
वर्किंग पेपर	37
सी.डी., डी.वी.डी.	75
ऑनलाइन डाटाबेस	11

सूचना तकनीक

IIM रांची की कम्प्यूटिंग तथा कम्यूनिकेशन (संचार) जरूरतों के लिए अति आधुनिक सूचना प्रोद्योगिकी उपकरण हैं। 5 रैक माउंटिंग सर्वर अन्य अतिरिक्त जरूरी उपकरणों के साथ अन्य विभिन्न सर्वर के अलावे आई.आई.एम. रांची का वेबसाइट भी होस्ट करते हैं। चेक प्वाईंट फायरवॉल इन्ट्रूजन का पता लगाने और इसकी रोकथाम, कंटेंट और एप्लीकेशन फिल्टरिंग के अलावे एंटीवायरस का प्रबंध कार्य, एंटीस्पाईवेयर और गेटवे एंटीस्पैन का कार्य करता है। सभी सर्वर का माइक्रोसॉफ्ट सर्वर लाइसेंस और रेड हैट लिनक्स इंटरप्राइज लाइसेंस है। कम्प्यूटर लैब में सभी कम्प्यूटर में विंडो 7 है और यह एंटीवायरस के साथ ही साथ लेजर प्रिंटर और स्कैनर से भी युक्त हैं।

नेटवर्क की रीढ़ सिंगल मोड फाइबर ऑप्टिक्स केबल द्वारा डिजाइन की गयी है और अंदरूनी नेटवर्क सिस्को 3750 कोर स्विच और सिस्को 2960 एक्सेस स्विच से युक्त है। शैक्षणिक खंड पूरे समय नेटवर्क पर उपलब्ध संसाधनों तक पहुंच बनाने के लिए अंदरूनी तौर पर वाई फाई के अलावा वायर्ड LAN (रेल टेल के द्वारा 10 mbps 1:1 इंटरनेट बैंडविड्थ) से भी जुड़ा है।

दूर अवस्थित छात्रावास भी शैक्षणिक खंड से आभासी निजी नेटवर्क (वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क) से जुड़ा है छात्रावास के क्षेत्र में किसी भी समय वाई-फाई के साथ ही साथ LAN (रेल टेल के द्वारा 20 उइचे 1:1 इंटरनेट बैंडविड्थ) द्वारा नेटवर्क पर पहुंच बनायी जा सकती है, और वह नेटवर्क प्रिंटर से युक्त है। शैक्षणिक खंड और छात्रावास दोनों ही सिस्को ऐरोनेट 1242 सीरिज और डी-लिंक डी डब्ल्यू एल-3200 सुरक्षित वाई फाई कनेक्टिविटी का इस्तेमाल करते हैं।

हाल ही में आई.आई.एम. रांची राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क (NKN) का हिस्सा बना यह अति आधुनिक अखिल भारतीय नेटवर्क हैं जिसे नेशनल इंफोरमैटिक्स सेंटर (NIC) क्रियान्वित कर रहा है। NKN 1 उइचे की कनेक्टिविटी उपलब्ध कराता है जिसमें से 100 mbps इंटरनेट बैंडविड्थ के लिए दिया गया है और बाकी अंतर विश्वविद्यालय और NKN फूल कनेक्टिविटी के इंटरनेट बैंडविड्थ के लिए है।

छात्रावास

आई.आई.एम. रांची फिलहाल सूचना भवन से कार्य कर रहा है जहां सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, झारखंड सरकार भी अवस्थित है। छात्रों को अभी सूचना भवन के सामने की सड़क की दूसरी ओर नालंदा छात्रावास में रहने की सुविधा उपलब्ध करयी गयी है। नालंदा छात्रावास श्रीकृष्ण लोक प्रशासन संस्थान का हिस्सा है, जो झारखंड सरकार के अधीन हैं। यह झारखंड लोक सेवा आयोग का प्रशिक्षण संस्थान है।

बड़े, हवादार, पूरी तरह सुसज्जित प्रत्येक कमरे में दो छात्र रहते हैं, प्रत्येक कमरे के साथ बाथरूम भी है जिसमें गर्म तथा ठंढे पानी की सुविधा भी है, उचित कीमत पर एक स्थानीय एजेंसी से कपड़े धोने (लॉन्ड्री) की सुविधा भी हासिल कर ली गयी।

हरेक कमरे में प्रत्येक छात्र के लिए LAN कनेक्शन है छात्रावास में एक सामान्य कम्प्यूटर कक्ष है तथा सभी के उपयोग के लिए नेटवर्क प्रिंटर भी है जेरोक्स की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए प्रक्रिया जारी है।

छात्रावास में छात्रों के लिए कैंटीन है जो रात्रि में भी कुछ देर तक खुला रहता है। कैंटीन में दैनिक इस्तेमाल की वस्तुएं जैसे प्रसाधन सामग्री और स्टेशनरी भी मिलती है ताकि छात्रों को कैम्पस के बाहर जाना न पड़े, कैंटीन में सैटेलाइट टेलिविजन भी है।

छात्रावास में वातानुकूलित खेल कक्ष भी है जहां टेबल टेनिस और कैरम जैसे खेलों की सुविधा है।

खेल

कक्षा में सख्त परिश्रम करने के बाद अपने सहपाठियों से प्रतिस्पर्द्धा के बाद छात्र हमेशा ही राहत पाने के लिए कुछ करना चाहते हैं। कैम्पस इसके लिए भी अवसर उपलब्ध कराता है। छात्रावास परिसर के अंदर उपलब्ध खेल सुविधाओं में वन जैसी हरियाली के बीच जॉगिंग ट्रैक, आउटडोर बैडमिंटन कोर्ट, बॉलीबाल कोर्ट, टेनिस कोर्ट और रिंग फुटबाल कोर्ट शामिल हैं।

छात्रावास में टेबल टेनिस तथा कैरम बोर्ड के लिए एक वातानुकूलित कक्ष है, छात्र सभी खेलों में एक दूसरे से बढ़ चढ़कर प्रतिस्पर्द्धा करते हैं, नियमित तौर पर अंतः महाविद्यालय प्रतियोगिताओं का आयोजन होता है। टेबल टेनिस, बॉलीबाल और कैरम सभी के प्रिय खेल हैं। सभी सुविधाओं से युक्त एक व्यायामशाला भी छात्रों के लिए उपलब्ध है।

भारतीय प्रबंध संस्थान रांची की प्रथम संस्था का निर्माण–ढांचा

नियम	खंड	मनोनीत व्यक्ति
2(1)	केंद्र सरकार द्वारा अध्यक्ष किया जाएगा	**श्री आर.सी.भार्गव** अध्यक्ष मारूति उद्योग लिमिटेड
2(2से3)	उच्चतर क्षिक्षा विभाग, मानव संसाधन मंत्रालय,भारत सरकार द्वारा मनोनीत वित्तीय सलाहकार (FA, HRD) के समेत केंद्र सरकार के दो प्रतिनिधि होंगे	**श्री अशोक ठाकुर** विशेष सचिव (तकनीकी शिक्षा) मा. स. वि. वि., भारत सरकार
		श्री ए. एन. झा संयुक्त सचिव और आर्थिक सलाहकार, मा. स. वि. वि., भारत सरकार
2(4से7)	उद्योग वाणिज्य श्रम और संस्थान के नीतिगत क्षेत्र से चार प्रतिनिधि केंद्र सरकार द्वारा मनोनीत किए जाएंगे।	**श्री रघुनाथ सालगामे** अध्यक्ष, सिसको सिस्टम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड 22वीं मंजिल, ब्रिगेड साउथ परेड दस एम जी रोड, बैंगलोर
		श्री दिनेश पई प्रबंध निदेशक डेल कम्प्यूटर्स इंडिया प्राइवेट लिमेटेड, दिव्यश्री ग्रीन (निचला तला) S.NO. 12/1,12/2A,3/1A, घालाघाटा गांव, वार्थर होबली दक्षिणी बैंगलोर, बैंगलोर 56071
		श्री एस आर राव कार्यपालक निदेशक, एक्सपोर्ट इम्पोर्ट बैंक ऑफ इंडिया सेंटर वन बिल्डिंग (21वीं मंजिल) वर्ल्ड ट्रेड सेन्टर कॉम्पलेक्स, कफे परेड, मुम्बई 400005
		श्री सोम मित्तल अध्यक्ष नेशनल एसोसिएशन आफ सॉफ्टवेयर एंड सर्विस कम्पनीज (NASSCOM) इंटरनेशनल यूथ सेंटर तीन मूर्ति मार्ग चाणक्यपुरी, नयी दिल्ली 110021

नियम	खंड	मनोनीत व्यक्ति
2(8और9)	अपने विभागों का प्रतिनिधित्व करते हुए राज्य सरकार के दो प्रतिनिधि।	**श्री ए. के. सिंह** भा प्रा से, मुख्य सचिव झारखंड सरकार
		श्रीमती मृदुला सिन्हा भा प्रा से प्रधान सचिव झारखंड सरकार
2(10)	उप-कुलपति, केंद्रीय विश्वविद्यालय झारखंड	**प्रो. डी टी खटिंग** उप कुलपति, केंद्रीय विश्वविद्यालय झारखंड
2(11)	अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद / NCHEs का प्रतिनिधि	**डॉ. डी के पालीवाल** सदस्य सचिव राष्ट्रीय प्रत्यायन समिति (नेशनल बोर्ड आफ ॲक्रेडिटेशन)
2(12)	अखिल भारतीय प्रबंध संगठन का एक प्रतिनिधि	राय बता दी गयी है, AIMA के उत्तर का इंतजार है।
2(13)	केंद्र सरकार द्वारा मनोनीत अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति समुदाय के प्रतिनिध	**प्रो. दिवाकर मिंज** ईटकी मोड़, पी.ओ बिंधानी
2(14 और 15)	अध्यक्ष द्वारा संस्थान के दो प्राध्यापकों को मनोनीत किया जाना	BOG के अध्यक्ष द्वारा मनोनीत किए जाएंगे
2(16)	संस्थान के निदेशक (पदेन सदस्य)	**प्रो. एम जे जेवियर** निदेशक IIM रांची

भारतीय प्रबंध संस्थान रांची के संचालक मंडल का निर्माण–ढांचा

नियम	खंड	मनोनीत व्यक्ति
5(1)	अध्यक्ष केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त किया जाएगा।	**श्री आर. सी. भार्गव** अध्यक्ष, मारूति उद्योग लिमिटेड
5(2से3)	उच्चतर शिक्षा विभाग मानव संसाधन मंत्रालय भारत सरकार द्वारा मनोनीत वित्तीय सलाहकार समेत केंद्र सरकार के दो प्रतिनिधि होंगे	**श्री अशोक ठाकुर** विशेष सचिव (तकनीकी शिक्षा) मा. स. वि. वि., भारत सरकार
		श्री ए. एन. झा संयुक्त सचिव एवं मा. स. वि. वि., भारत सरकार
5(4से7)	उद्योग वाणिज्य श्रम एवं संस्थान के नीतिगत क्षेत्र से चार प्रतिनिधि केंद्र सरकार द्वारा मनोनीत किए जाएंगे	**श्री धनेंद्र कुमार** अध्यक्ष भारत प्रतियोगिता आयोग (कम्पिटिशन कमीशन ऑफ इंडिया) 14-B हुडको विशाला भिकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली 110066
		श्री चंद्रजीत बनर्जी डी जी CII 404 रिचमंड प्लाजो, 5 रिचमंड रोड़ बैंगलोर कर्नाटक
		डा. सी एस केदार भा प्रा से महानिदेशक कर्मचारी राज्य बीमा निगम (एम्प्लोयी स्टेट इंश्योरेंस कॉरपोरेशन) पंचदीप भवन,सी आई जी मार्ग, नयी दिल्ली-110002
		डा. सुभाष पाणि अध्यक्ष एवं प्रबंध उन्नयन संगठन (इंडियन ट्रेड प्रोमोशन ऑर्गानाइजेशन) प्रगति भवन,प्रगति मैदान नई दिल्ली-110001
5(8और9)	अपने विभागों का प्रतिनिधित्व करते हुए राज्य सरकार के दो प्रतिनिधि	**श्री ए. के. सिंह** भा प्रा से मुख्य सचिव झारखंड सरकार
		श्रीमती मृदुला सिन्हा भा.प्रा.से. प्रधान सचिव झारखंड सरकार

नियम	खंड	मनोनीत व्यक्ति
5(10)	उप कुलपति, केंद्रीय विश्वविद्यालय झारखंड	**प्रो. डी टी खटिंग** उप कुलपति केंद्रीय विश्वविद्यालय झारखंड
5(11)	अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद के प्रतिनिधि	**डॉ. डी के पालीवाल** सदस्य सचिव राष्ट्रीय प्रत्यायान समिति (नेशनल बोर्ड ऑफ अक्रेडिटेशन)
5(12)	अखिल भारतीय प्रबंध संगठन का एक प्रतिनिधि	राय बता दी गयी है AIMA के उत्तर का इंतजार है
5(13)	केंद्र सरकार द्वारा मनोनीत अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति समुदाय के प्रतिनिधि	**प्रो. दिवाकर मिंज** ईटकी मोड़, पी. ओ. बिंधानी
5(14और15)	अध्यक्ष द्वारा संस्थान के दो प्राध्यापकों को मनोनीत किया जाना	BOG के अध्यक्ष द्वारा मनोनीत किए जाएंगे
5(16)	संचालक मंडल द्वारा आम सहमति से किसी पूर्ववर्त्ती छात्र को सदस्य बनाया जाना	संचालक मंडल द्वारा ऐसा किया जाएगा
5(17)	संस्थान के निदेशक (पदेन सदस्य)	**प्रो. एम. जे. जेवियर** निदेशक IIM रांची

संगठन

संचालक मंडल

श्री आर.सी. भार्गव, IAS (Retd)
अध्यक्ष,
भारतीय प्रबंध संस्थान, रांची
अध्यक्ष,
मारूति सुजुकी इंडिया लिमिटेड
नयी दिल्ली

डा. डी.के. पालीवाल
राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड
(नेशनल बोर्ड ऑफ अक्रेडिटेशन)
नयी दिल्ली

श्री धनेंद्र कुमार, IAS
अध्यक्ष
भारत प्रतियोगिता आयोग
(कम्पीटिशन कमीशन इंडिया)
नयी दिल्ली

डा. सी.एस. केदार, भा.प्रा.से.
महानिदेशक
कर्मचारी राज्य बीमा निगम
(एमप्लोयी स्टेट, इंश्योरेंस कॉर्पोरेशन)
नयी दिल्ली

श्री ए.के. सिंह
मुख्य सचिव
झारखंड सरकार
रांची

प्रो. डी.टी. खटिंग
उप कुलपति
केंद्रीय विश्वविद्यालय
रांची
भारत सरकार

श्री अशोक ठाकुर
भा.प्रा.से
विशेष सचिव
उच्चतर शिक्षा विभाग
नयी दिल्ली

श्रीमती मृदुला सिन्हा
भा.प्रा.से.
प्रधान सचिव, मानव संसाधन विभाग,
झारखंड सरकार
रांची

श्री चंद्रजीत बनर्जी
DG, CII
नयी दिल्ली

डॉ. सुभाष पाणि,
भा.प्रा.से.
भारतीय व्यापार उन्नयन संगठन
(इंडियन ट्रेड प्रोमोशन ऑर्गनाइजेशन)
नयी दिल्ली

श्री एस.के. रे, IAS
अतिरिक्त सचिव एवं वित्तीय
सलाहकार (तकनीकी शिक्षा)
माध्यमिक एवं उच्चतर शिक्षा विभाग
एम.एच.आर.डी., भारत सरकार
नयी दिल्ली

प्रो. दिवाकर मिंज
रीडर
इतिहास विभाग
रांची विश्वविद्यालय
रांची

प्रो. एम.जे. जेवियर
निदेशक
भारतीय प्रबंध संस्थान
रांची

निमंत्रित

प्रो. शेखर चौधरी
निदेशक
भारतीय प्रबंध संस्थान, कलकत्ता
कोलकाता

प्रो. बी.बी. चक्रवर्त्ती
संयोजक
रांची के लिए IIMC का कार्य बल
भारतीय प्रबंध संस्थान, कलकत्ता
कोलकाता

10. रांची के विषय में – परम्पराओं का शहर

रांची झारखंड राज्य की राजधानी है भारत के राष्ट्रीय खनिज संसाधनों में जिसका योगदान लगभग अट्ठारह प्रतिशत है। यह छोटानागपुर की घाटी में समुद्र तल से लगभग 2150 फीट की ऊँचाई पर अवस्थित है। इस रमणीय क्षेत्र में जलप्रपात पहाड़ियां और हरी भरी घाटियां हैं। इसकी ठंडी जलवायु और ऐतिहासिक महत्व के कई स्थल इसे पर्यटको की पसंदीदा जगह बनाते हैं।

रांची अपने आस पास के प्राकृतिक दृश्यों और स्फूर्तिदायक पहाड़ी हवा के साथ पूर्ववर्ती बिहार की ग्रीष्मकालीन राजधानी और स्वास्थ्य लाभ की सैरगाह हुआ करती थी। भारत की आजादी के बाद रांची का विकास होता रहा और यहां तथा इसके आस पास कई औद्योगिक सुविधाएं (ईकाईयां) अवस्थित हैं। अब यह झारखंड और लगभग सारे पूर्वी भारत का वाणिज्य एवं व्यापार का केंद्र है जमशेदपुर और बोकारो के दो औद्योगिक नगर क्षेत्र झारखंड के औद्योगिक ढांचे को पूरा करते हैं।

यह झारखंड के सभी हिस्सों के और आस-पास के राज्यों से आए परिश्रमी और उद्यमशील लोगों का शहर है। इसे हमेशा से औद्योगिक केंद्र के रूप में जाना जाता रहा है पर हाल के वर्षो में यहां सेवा उद्योग जैसे मार्केटिंग मीडिया, स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा के क्षेत्र में तेजी से वृद्धि देखने को मिली है। रांची द्वारा भविष्य में देश की अर्थव्यवस्था का बिजलीघर (पावर हाउस) बनने देश की संभावना को बिजनेस (व्यवसाय) तथा सरकार द्वारा पहचान लिया गया है तथा यहां दोनों ही महत्वपूर्ण निवेश कर रहे हैं और यह तेजी से आर्थिक केंद्र के रूप में विकास कर रहा है। उभरते हुए भारतीय शहरों में नौकरियों को निर्माण में तथा जी.डी.पी में अधिकतम विकास दरों में से एक के साथ रांची अब एक गतिशील शहर के रूप में परिवर्त्तित हो चुका है जो अपने लोगों की सक्रियता से स्पन्दित हो रहा है। यह भारत के भविष्य का शहर है।

इस शहर का नाम एक स्थानीय पक्षी रिंची के नाम पर पड़ा है जो अधिकांशतः रांची की प्रसिद्ध पहाड़ी मंदिर के आस पास पायी जाती है।

छोटानागपुर के पठार के दक्षिणी हिस्से में अवस्थित रांची अपनी वांछनीय प्राकृतिक सुंदरता एवं रमणीय परिप्रदेश से समृद्ध है। यहां कई जलप्रपात और झीलें हैं, पहाड़ी प्रदेश होने की वजह से यहां पूरे वर्ष मौसम सुहाना रहता है।

रांची में खनिज संसाधनों की बहुलता है इसे ''पूर्व के मैनचेस्टर'' के रूप में जाना जाता है।

रांची दूसरे महानगरों जैसे मुम्बई, दिल्ली, कलकत्ता, बंगलौर तथा चेन्नई से यातायात द्वारा अच्छी तरह से जुड़ा है।

INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT RANCHI
भारतीय प्रबन्ध संस्थान राँची